BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे सकारात्मक समाचारों का संकलन

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अमावस्या सोमवार विक्रम संवत् 2079। 30 मई 2022

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

भागलपुर : महिलाएं लगाएंगी रेडीमेड कपड़ों का उद्योग

अच्छी खबर

- साड़ी से लेकर फैशनेबल रेडीमेड कपड़े दो माह में होंगे तैयार
- रेडीमेड कपड़ों का हब बनेगा भागलपुर, तैयारी शुरू: जीएम

भागलपुर, वरीय संवाददाता। स्थानीय स्तर पर तैयार फैशनेबल रेडीमेड कपड़े जल्द ही भागलपुर के लोग पहनेंगे। कहलगांव की अंग्रेजी से स्नातक रश्मि, तिलकामांझी की रहने वाली रितिका उर्फ सुनीता ही नहीं बल्कि ऐसी 50 से अधिक महिलाएं रेडीमेड कपड़ों की उद्योग स्थापित कर रही हैं।

कहलगांव, सुल्तानगंज, नवगछिया, सबौर, जगदीशपुर आदि जगहों पर रेडीमेड गारमेंट्स के उद्योग दो माह में संचालित होने लगेंगे। इसके बाद दिल्ली, कोलकाता, लुधियाना आदि जगहों से आ रहे कपड़ों को टक्कर देगा। उद्यमियों का कहना है कि अब वह दिन दूर नहीं जब स्थानीय स्तर पर तैयार साड़ी, सलवार शूट, दुपट्टा, नाइटी, पेटीकोट, लहंगा आदि यहां के लोगों के लिए आकर्षक का केंद्र होगा। ग्राहकों को भी इससे फायदा होगा उन्हें सस्ते दामों में कपड़े उपलब्ध हो जाएंगे।

जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि भागलपुर रेडीमेड कपड़ों का जल्द ही हब बनेगा। कई की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है। इस दौरान उन्हें अपने कपड़े की डिजाइन से विशेषज्ञों की सराहना भी प्राप्त की है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लिए 120, मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति जनजाति में 76, मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना में 116, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना में 114 आवेदकों का यहां चयन हुआ है। उद्योग स्थापित करने के लिए सभी को 10-10 लाख रुपये मिलेगा। कई उद्यमियों के खाते में पांच-पांच लाख रुपये उपलब्ध कराया जा रहा है। यहां की महिलाएं पार्लर, ढाबा, सीमेंट का कारोबार, टू व्हीलर की रिपेयरिंग आदि के क्षेत्र में आगे आयी हैं। 50 से अधिक महिलाएं रेडीमेड कपड़ों की उद्योग स्थापित कर रही हैं।

रेडीमेड कपड़ा तैयार होने से बढ़ेगी कीमत

पुरैनी बुनकर समिति के अध्यक्ष अफजल आलम ने बताया कि भागलपुर में सिल्क, कॉटन व लिनन के कपड़े बाहर बड़ी मात्रा में जा रहे हैं। अब रेडीमेड शर्ट बनाने को यहां बढ़ावा दिया जायेगा। इससे बुनकरों को तीन गुनी कीमत मिल सकती है। साथ ही बुनकरों को रोजगार भी मिलेगा।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 30.05.2022 | पृष्ठ सं० 10

नई व्यवस्था | सहकारिता विभाग बना रहा नया एप, इसमें किराया भी दिखेगा, सभी यंत्रों का अधिकतम किराया सरकार ने तय कर दिया

किराये पर कृषि यंत्र लेने को करना होगा ऑनलाइन आवेदन

खेती-किसानी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। पैक्सों में बने कृषि यंत्र बैंक से यंत्र किराया पर लेने के लिए किसानों को अब ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए सहकारिता विभाग नया एप्लीकेशन बना रहा है। एक महीने में एप तैयार होने के बाद इसपर आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

नये एप्लीकेशन पर कहीं के किसान कहीं से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन होते ही एप पर यंत्रों का किराया भी दिखने लगेगा। लिहाजा, अब इस मामले में पैक्सों की मनमानी भी नहीं चलेगी। सभी यंत्रों का अधिकतम किराया सरकार ने तय कर दिया है। किराया तय करने के लिए संयुक्त निबंधक की अध्यक्षता में हर प्रमंडल में कमेटी बनी है। कमेटी अपने इलाके के बाजार में उपलब्ध दर के आधार पर किराया तय करती है। यह किराया पैक्स के लिए अधिकतम होता है। लेकिन, इसमें एकरूपता नहीं है। कमेटी अपने इलाके के बाजार में लगने वाले किराये के आधार पर यह तय करती है। लिहाजा अलग-अलग इलाके का किराया अलग हो सकता है। लेकिन कमेटी ने जो किराया तय किया है, पैक्स इससे कम पर भी यंत्र दे सकते हैं, इससे अधिक किराया किसानों से नहीं वसूल सकते हैं।

नया एप पर आवेदन करने के साथ ही वह आवेदक के सबसे निकट के पैक्स के पास चला जाएगा। किराया भी वहीं का दर्शाएगा। यंत्र की उपलब्धता के आधार पर पैक्स आवेदन मंजूर करेंगे और उसके बाद किसान से फोन पर बात कर यह जानकारी लेंगे कि यंत्र कहां चाहिए। उस समय किराया के लिए किसान बारगेन भी कर सकेंगे। सबकुछ तय होने पर पैक्स की जिम्मेवारी होगी वह किसानों को जरूरत वाली जगह पर यंत्र उपलब्ध करा दे। राज्य सरकार ने सभी पैक्सों में यंत्र बैंक बनाने की योजना दो साल पहले शुरू की थी। पहले चरण में राज्य के 2927 पैक्सों में यंत्र बैंक बनना है। अब तक राज्य में 1800 पैक्सों में कृषि यंत्र बैंक बन चुका है। इसके लिए सरकार की ओर से हर पैक्स को सरकार 15 लाख रुपये दिये गये हैं। पैक्स इस पैसे से इलाके की मांग के अनुसार यंत्र खरीदकर उसे किराये पर चलाएंगे।

नई व्यवस्था किसानों की परेशानी दूर करेगी

राज्य में खेती का बड़ा भाग बटाईदारों के हाथ में है। ऐसे बटाईदारों की जमीन अपनी नहीं होती है। लिहाजा, वह खेती के लिए यंत्र खरीदने में सक्षम नहीं होते हैं। उन्हें ऐसे बड़े किसानों से यंत्र खेती के लिए लेना पड़ा है जिनका पास उनकी जरूरत के अनुसार यंत्र हो। अब किसान पहले तो अपनी खेती कर लेते हैं उसके बाद दूसरे को किराये पर यंत्र देते हैं। इससे छोटे किसानों या बटाईदारों की खेती पिछड़ जाती है। किराये पर यंत्र लेकर खेती करने वालों की लागत बढ़ जाती है। सरकार की नई व्यवस्था किसानों की परेशानी दूर करेगी।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 30.05.2022 | पृष्ठ सं० 1

किसानों को सुविधा • पशु अस्पताल, प्रयोगशाला, फार्म निर्माण की चल रही तैयारी

किशनगंज में खुलने वाले राज्य के दूसरे वेटनरी कॉलेज में 2023 से होगी पढ़ाई

पंकज कुमार सिंह | पटना

राज्य का दूसरा वेटनरी कॉलेज किशनगंज में अगले सत्र 2023-24 से पढ़ाई शुरू होगी। किशनगंज के डॉ. अबुल कलाम आजाद कृषि कॉलेज परिसर के एक अतिरिक्त बिल्डिंग बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय को जून के अंत तक हस्तांतरित हो जाएगा। पशु विज्ञान विश्वविद्यालय ने वेटनरी कॉलेज की स्थापना के लिए डीपीआर तैयार कर सरकार को दे दिया है। वेटनरी कॉलेज खुलने से वेटनरी डॉक्टर की उपलब्धता बढ़ाने के साथ ही स्थानीय पशुपालकों को भी लाभ होगा। मांस, दूध, अंडा और ऊन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। छोटे किसानों को पशुपालन से आर्थिक लाभ दिलाने में मदद मिलेगी। 2023-24 से पढ़ाई शुरू करने के पहले आवश्यक सहायक प्रोफसर, पशु अस्पताल, फार्म, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी स्थापित किया जाना है। बैचलर ऑफ वेटनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी (बीवीएससीएएच) में 80 छात्रों का प्रतिवर्ष नामांकन होगा। यहां पशु अस्पताल के साथ 18 विभाग होंगे।

सहायक प्रोफेसर, टेक्नीशियन और विभिन्न कर्मियों की बहाली होगी

वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के गाइडलाइन के अनुरूप कॉलेज में सहायक प्रोफेसर, टेक्नीशियन और विभिन्न कर्मियों की बहाली होगी। बाद में मास्टर डिग्री (एमवीएससी एंड पीएचडी) भी हो सकेगा। किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, सुपौल, मधेपुरा, कटिहार सहित दर्जन भर से अधिक जिलों के पशुपालकों को प्रशिक्षण के साथ स्वरोजगार का मौका मिलेगा। प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की पढ़ाई शुरू करने के लिए कम से कम 40 शिक्षकों की जरूरत है। जब सभी बैच शुरू होंगे तो 120 शिक्षकों की जरूरत होगी। शिक्षकों की बहाली के लिए रोस्टर क्लियरेंस के लिए भेज दिया गया है।

400 स्टूडेंट के लिए हॉस्टल

डॉ. कलाम कृषि महाविद्यालय परिसर में अतिरिक्त आधारभूत संरचना निर्मित है। इसलिए कॉलेज की स्थापना में अधिक परेशानी नहीं होगी। पशु अस्पताल की स्थापना पर करीब 10 करोड़ खर्च होंगे। 250 छात्रों और 150 छात्राओं के लिए हॉस्टल का बनाया जाएगा। वेटनरी कॉलेज की फैकल्टी और स्टॉफ के लिए कलाम कृषि कॉलेज में आधारभूत संरचना पर्याप्त है। कॉलेज के विभिन्न विभागों के लगभग 11 करोड़ रुपए की जरूरत होगी। 2023-24 से 2028-29 तक पांच साल के कर्मियों के वेतन आदि का खर्च 167 करोड़ अनुमानित है। छात्र स्कॉलरशिप के लिए 3.5 करोड़ और आधारभूत संरचना मद, स्टॉफ क्वाटर और अन्य यूनिट के लिए 10-10 करोड़ चाहिए।

किसानों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए बनेगा ट्रेनिंग सेंटर

मांस, अंडा, दूध व ऊन उत्पादन के लिए स्कूल ऑफ लाइवस्टॉक प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी की कल्पना है। ऑर्डर के अनुसार इसे कार्य रूप दिया जा सकता है। युवाओं को पारा वेटनरी के प्रशिक्षण के लिए स्कूल ऑफ पारा वेटनरी साइंस की स्थापना की जाएगी। पशुपालक किसानों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए फार्म ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। सेंटर फॉर इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट एंड सोसियो इकोनॉमिक्स स्टडी। यहां इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद (आईआरएमए) की तर्ज पर उद्यमियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। बिहार का पहला वेटनरी कॉलेज पटना में 1927 में खुला। 1931 में पढ़ाई शुरू हुई। यह देश का 5वां वेटनरी महत्वपूर्ण वेटनरी कॉलेज था। तब पाकिस्तान, बांग्लादेश सभी एक थे।

*राज्य का दूसरा वेटनरी कॉलेज किशनगंज में अगले सत्र 2023 से प्रथम वर्ष की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। शिक्षक, कर्मी, पशु अस्पताल, फार्म, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि की व्यवस्था होने के बाद वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया से सहमति के बाद प्रथम वर्ष में नामांकन शुरू हो जाएगा। -डॉ. **रामेश्वर सिंह**,* कुलपति, बिहार पशु चिकि

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 30.05.2022 | पृष्ठ सं० 4

बिहटा में बनेगा आइआइएम बोधगया का सेटेलाइट कैंपस

वरीय संवाददाता ▷ बोधगया

- **11.24 करोड़ बिहार सरकार ने आवंटित किया**
- **पांच एकड़ जमीन सिकंदरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में मुहैया करायी गयी**

बोधगया में संचालित आइआइएम बोधगया के सेटेलाइट कैंपस का निर्माण बिहटा के सिकंदरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में किया जायेगा. इसके लिए बियाडा ने 90 वर्ष की लीज पर पांच एकड़ जमीन मुहैया करायी है. सैटेलाइट कैंपस के निर्माण के लिए 11 करोड़ 24 लाख 57 हजार रुपये भी बिहार सरकार द्वारा आवंटित करने का निर्देश जारी कर दिया गया है. सूबे के महालेखाकार को सरकार के उपसचिव के माध्यम से इसका पत्र 25 मई को जारी कर दिया गया है. औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आइआइएम बोधगया के सैटेलाइट कैंपस का निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया जायेगा. उल्लेखनीय है कि आइआइएम बोधगया परिसर के निर्माण के लिए राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बाद मगध विश्वविद्यालय कैंपस में ही एमयू की जमीन को हस्तांतरित किया गया है और यहां आइआइएम बोधगया का कैंपस तैयार किया जा रहा है. हालांकि, फिलहाल आइआइएम बोधगया का संचालन एमयू के ही शिक्षा विभाग के भवन में किया जा रहा है व पिछले महीने ही आइआइएम बोधगया का चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया है. करीब 900 करोड़ की लागत से आइआइएम बोधगया के कैंपस का निर्माण जारी है व अगले दो-तीन वर्षों में इसके पूरी तरह से बन कर तैयार हो जाने की उम्मीद है.

सौजन्य से प्रमात खबर | पटना | 30.05.2022 | पृष्ठ सं० 06

बिहार के दो बॉक्सरों को नेशनल सबजूनियर चैंपियनशिप में कांस्य

पटना। बेल्लारी में संपन्न राष्ट्रीय सबजूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बिहार के दो बॉक्सरों चंद्र भूषण राय और रोशन ने कांस्य पदक जीता। 58 किलोग्राम में बिहार के चंद्र भूषण राय ने कर्नाटक के ऋतिक गोवड़ा को हराकर और 49 किलो ग्राम में बिहार के रोशन ने झारखंड के जादू नाथ को 4-1 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। सेमीफाइनल में ये दोनों को हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में मिली हार से दोनों को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा।

बिहार के दोनों बाक्सरों चंद्र भूषण राय और रोशन की इस उपलब्धि पर बॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ बिहार के मुख्य संरक्षक सह बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, चेयरमैन रामाकांत सिंह, सचिव राजीव कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सरोज झा, एनआईएस कोच फरमूद अंसारी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, कोच अभिनव गिरी समेत बॉक्सिंग बिहार के तमाम पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 30.05.2022 | पृष्ठ सं० 09

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	42
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	9
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	10
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,22,26,177
⇒ कम से कम एक डोस	7,06,70,181
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	5,98,06,125

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

- कतर
- दक्षिण कोरिया
- जापान
- हॉग कॉग
- यू.ए.ई.
- सिंगापुर
- बहरीन
- न्यूजीलैंड
- कनाडा
- यू.एस.ए.
- ऑस्ट्रेलिया
- सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.